This Question Paper consists of 35 questions and 6 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवम् 6 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्नपत्र में 35 प्रश्न है तथा 6 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्कः

Code No.
गूढसंख्या **64/SS/O**

SET **A**

SANSKRIT SAHITYA

संस्कृतसाहित्यम्

(348)

Day and Date of Examination :
(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च)
(परीक्षा दिन और तिथि) ____________________

Signature of Invigilators :
(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्)
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)

1. ____________________

2. ____________________

सामान्या निर्देशा :/सामान्य निर्देश :

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्नपत्र के प्रथम भाग में लेखनीय कम हैं।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल न. न लिखें।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **64/SS/O-A** नूनं लेख्या।
   अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **64/SS/O-A** लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

SANSKRIT SAHITYA

संस्कृतसाहित्यम्

(348)

परीक्षासमयावधिः (Time) : होरात्रयम् (3 Hrs)] **[पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100**

निर्देशाः (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **10, [B]** भागे **10, [C]** भागे **10, [D]** भागे **5** इति आहत्य **35** प्रश्नाः सन्ति।
इस पत्र में **[A]** भाग में **10, [B]** भाग में **10, [C]** भाग में **10** व **[D]** भाग में **5** कुल मिलाकर **35** प्रश्न है।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।
प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या का निर्देश है।

(iii) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।
सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत। **10x1=10**
दस के उचित विकल्प चुनिए :

1. उपमालङ्कारस्य कः वर्णने निपुणः।

(क) कालिदासः (ख) भवभूतिः
(ग) भट्टिस्वामी (घ) दण्डी

उपमा अलंकार के वर्णन में कौन निपुण है?

(क) कालिदास (ख) भवभूति
(ग) भट्टिस्वामी (घ) दण्डी

2. सहस्रगुणम् उत्स्रष्टुं कः रसम् आदत्ते।

(क) दिलीपः (ख) पृथिवी
(ग) रविः (घ) इन्द्रः

''सहस्रगुणम् उत्स्रष्टुं'' (हजार गुणा वापस देने के लिए कौन रस ग्रहण करता है)?

(क) दिलीप (ख) पृथिवी
(ग) रवि (घ) इन्द्र

3. द्वादशपञ्जरिकास्तोत्रानुसारं मरणे सन्निहिते कः रक्षति।

(क) गोविन्दः (ख) शिवः
(ग) ब्रह्मा (घ) कार्तिकः

द्वादश पञ्जरिकास्तोत्र के अनुसार मृत्यु के समीप आने पर कौन रक्षा करता है?

(क) गोविन्द (ख) शिव
(ग) ब्रह्मा (घ) कार्तिक

4. शकान् पराजित्य क: राजधानीम् आगत:।

(क) वीरविक्रम: (ख) शिवराज:

(ग) महामद: (घ) कुतुबुद्दीन:

शकों को हराकर कौन राजधानी आया?

(क) वीरविक्रम (ख) शिवराज

(ग) महामद (घ) कुतुबुद्दीन

5. ऋष्यशृङ्गस्य आश्रमात् क: अयोध्याम् आगत:।

(क) लक्ष्मण: (ख) कैकेयी

(ग) ऋष्यशृङ्ग: (घ) अष्टावक्र:

ऋष्यशृङ्ग के आश्रम से कौन अयोध्या आया?

(क) लक्ष्मण (ख) कैकेयी

(ग) ऋष्यशृङ्ग (घ) अष्टावक्र

6. लक्ष्मी: कं दु:स्वप्नमिव न स्मरति।

(क) दातारम् (ख) सज्जनम्

(ग) शूरम् (घ) सरस्वतीपरिगृहीतम्

लक्ष्मी किसे बुरा सपना समझकर याद नहीं करती?

(क) देने वाले को (ख) सज्जन को

(ग) शूरवीर को (घ) सरस्वती से युक्त (विद्वान को)

7. नाट्यशास्त्रस्य टीका का।

(क) अभिनवभारती (ख) ध्वन्यालोक:

(ग) काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति: (घ) लोचनम्

नाट्यशास्त्र की टीका क्या है?

(क) अभिनव भारती (ख) ध्वन्यालोकं

(ग) काव्यालङ्कार सूत्रवृत्ति (घ) लोचन

8. सभापर्वणि कस्मिन् नगरे पाण्डवानां समृद्धि: सम्पन्ना।

(क) हस्तिनापुरे (ख) इन्द्रप्रस्थे

(ग) द्वारकायाम् (घ) अयोध्यायाम्

सभापर्व में किस नगर में पाण्डवों की समृद्धि हुई?

(क) हस्तिनापुर में (ख) इन्द्रप्रस्थ में

(ग) द्वारका में (घ) अयोध्या में

9. दिलीपः क इव प्रसूतः।

(क) सूर्यः (ख) चन्द्रः

(ग) क्षीरनिधिः (घ) मनुः

दिलीप किसके समान पैदा हुआ?

(क) सूर्य (ख) चन्द्र

(ग) क्षीर सागर (घ) मनु

10. कस्य राज्ञः शासनकाले सभापण्डित आसीत् आनन्दवर्धनः।

(क) अवन्तिवर्मणः (ख) अनन्तवर्मणः

(ग) भोजराजस्य (घ) ललितादित्यस्य

आनन्दवर्धन किस राजा के शासनकाल में सभापण्डित थे?

(क) अवन्तिवर्मा (ख) अनन्तवर्मा

(ग) भोजराज के (घ) ललितादित्य

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत। **10x2=20**

दसों का यथा निर्दिष्ट उत्तर दें :

1. रामायणं कः लिखितवान्। तत्र कति काण्डानि सन्ति। **1+1=2**

रामायण किसने लिखा और उसमें कितने काण्ड हैं?

2. मूढः किं त्यजेत् किं च कुर्यात्। **1+1=2**

मूर्ख क्या छोडें और क्या करें?

3. अलङ्कारः कतिविधः अस्ति। के च ते। **1+1=2**

अलंकार कितने प्रकार के हैं और वे कौन-कौन से हैं?

4. कस्मिन् नगरे माघस्य जन्म अभवत्। स कथं बहुशास्त्रवित् कविः इति प्रसिद्धः। **1+1=2**

किस नगर में माघ का जन्म हुआ वह "अनेक शास्त्रों को जानने वाला कवि" ऐसे कैसे प्रसिद्ध हुआ?

5. महाभारते कति पर्वाणि सन्ति। तत्र मुख्यरसः कः। **1+1=2**

महाभारत में कितने पर्व है और वहाँ मुख्य रस क्या है?

6. रामचन्द्रः कुत्र न आसक्तः कुत्र च स वाचस्पतिः। **1+1=2**

रामचन्द्र की किसमें आसक्ति नहीं थी और वह कहाँ पर वाचस्पति (विद्वान्) था?

7. पूर्णोपमा कदा भवति। तस्याः कति भेदाः। **1+1=2**

पूर्ण उपमा कब होती है उसके कितने भेद हैं?

8. अभिव्यक्तिवादे रस: निष्पद्यते इत्यस्यार्थ: क:। कस्य रसस्य परमोच्चं स्थानम्। **1+1=2**
अभिव्यक्तिवाद में रस की निष्पत्ति होती है इसका क्या अर्थ है किस रस का उत्तम स्थान है?

9. शम: कस्य रसस्य स्थायिभाव:। अस्मिन् रसे का देवता। **1+1=2**
शम (शान्ति) किस रस का स्थायिभाव है इस रस में कौन देवता है?

10. अनातुर: इत्यत्र महाभुज: इत्यत्र च समासनिर्णय: कार्य:। **1+1=2**
अनातुर और महाभुज इसमें कौनसा समास है समास निर्णय कीजिए।

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरै: समाधत्त। **10x4=40**
दस प्रश्नों का लघु उत्तरों से समाधान कीजिए :

1. रघुवंशमहाकाव्ये कविस्थितिं यथाग्रन्थं स्पष्टयत।
रघुवंशमहाकाव्य में कवि की स्थिति ग्रन्थ के अनुसार स्पष्ट कीजिए।

2. शुकनासप्रोक्तं गुरुपदेशस्य माहात्म्यं वर्णयत।
शुकनास के द्वारा कहे गये गुरु के उपदेश की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

3. गणस्वरूपं प्रतिपादयत।
गणों के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

4. ''वागर्थाविव'' इति ''ज्ञाने मौनम्'' इति वा प्रतीकोद्धृतं श्लोकं प्रपूर्य व्याख्यात।
''वागर्थाविव'' 'ज्ञाने मौनम्' इन श्लोकों को पूरा करके व्याख्या कीजिए।

5. ''विष्णोर्माया भगवती'' इति ''हिंस्र: स्वपापेन विहिंसित:'' इति वा प्रतीकोद्धृतं शिवराजविजयस्य मङ्गलाचरणं प्रपूर्य व्याख्यात।
''विष्णोर्माया भगवती'' ''हिंस्र: स्वपापेन विहिंसित'' इन दो श्लोकों को जो 'शिवराजविजय के मङ्गलाचरण के है' पूरा करके व्याख्या कीजिए।

6. ''सर्वथा व्यवहर्तव्यम्'' इति ''विश्वम्भरा भगवती भवतीमसूत'' इति वा प्रतीकोद्धृतं श्लोकं सम्पूर्य व्याख्यात।
''सर्वथा व्यवहर्तव्यम्'' ''विश्वम्भरा भगवती भवती मसूत'' इन दो श्लोकों को पूरा करके व्याख्या कीजिए।

7. लक्ष्म्या उत्पत्तिरहस्यं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।
लक्ष्मी की उत्पत्ति का रहस्य ग्रन्थानुसार प्रतिपादित कीजिए।

8. मालिनी वसन्ततिलका इत्यनयो: एकस्य च्छन्दस: लक्षणम् उक्त्वा उदाहरणे लक्षणसमन्वय: कार्य:।
मालिनी वसन्ततिलका इनमें एक छन्द का लक्षण बताकर उदाहरण के द्वारा लक्षणसमन्वय (सिद्ध) कीजिए।

9. अभिधावृत्तिं ग्रन्थदिशा वर्णयत।
'अभिधावृत्ति को' ग्रन्थदिशा का वर्णन कीजिए।

10. स्वार्थनिष्पादनपरायणा: धूर्ता: राज्ञां दोषेषु गुणारोपणं कथं कुर्वन्ति इति स्पष्टयत।
स्वार्थ की पूर्ति में लगे हुए धूर्तो ने राजा के दोषों पर गुणों का आरोप कैसे करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। **5x6=30**

पाँच प्रश्नों का दीर्घ उत्तर दीजिए :

1. उत्तररामचरितानुसारेण भागीरथीं प्रस्रवणगिरिं च यथाग्रन्थं वर्णयत।
   उत्तररामचरित के अनुसार भागीरथी व प्रस्रवण पर्वत का ग्रन्थानुसार वर्णन कीजिए।

2. सोमनाथमन्दिरं कथं लुण्ठितवान् महामदः इति स्वभाषया वर्णयत।
   सोमनाथमन्दिर को महामदों ने (लुण्ठकों ने) कैसे लूटा अपनी भाषा में इसका वर्णन कीजिए।

3. लक्ष्म्याः दुश्चरितं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।
   लक्ष्मी के बुरे चरित्र की ग्रन्थानुसार वर्णन कीजिए।

4. अतिशयोक्तिः समासोक्तिः इत्यनयोः एकम् अलङ्कारं सोदाहरणं प्रतिपादयत।
   'अतिशयोक्ति' 'समासोक्ति' इनमें एक अलंकार को उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

5. उत्प्रेक्षा अपहुतिः इत्यनयोः एकम् अलङ्कारं सोदाहरणं प्रतिपादयत।
   'उत्प्रेक्षा' 'अपहुति' इनमें से एक अलंकार को उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

- o O o -